1. हिन्दी पाठ्यक्रम–'ए'

(कोड सं0–002)

कक्षा–9

एक प्रश्नपत्र	**समय–3 घटें**	**पूर्णांक–100**

इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे –खंड 'क' , खंड 'ख' और खंड 'ग' । खंड 'क' 30 अकों का, खंड 'ख' 60 अकों का तथा खंड 'ग' 10 अकों का होगा ।

खंड 'क' के तीस अकों का विवरण निम्नलिखित है :

खंड 'क' 30

<u>व्याकरण और रचना :</u>

(व्याकरणः वर्ण–विचार, शब्द –संपदा, शब्द–रचना, संधि समास, अलंकार, अपठित बोध, निबंध–लेखन और पत्र–लेखन)

(अंक)

क–1 वर्ण–विचार : वर्ण व्यवस्था, उच्चारण –स्थान , मानक–वर्तनी 3

क–2 शब्द–संपदा 4

(i) अर्थ की दृष्टि से (एकार्थी, अनेकार्थी, पर्यायवाची, विलोम)

(ii) प्रयोग की दृष्टि से (सामान्य, तकनीकी, अर्धतकनीकी)

(iii) इतिइास की दृष्टि से (तत्सम, तद्भव, देशज, आगत)

(iv) रचना की दृष्टि से (मूल और व्युत्पन्न)

क–3 शब्द–रचना 4

(i) उपसर्ग

(ii) प्रत्यय

(iii) संधि (स्वर संधि)

(iv) समास

- अव्ययीभाव
- तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु
- बहुव्रीहि
- द्वंद्व

(अंक)

क–4	**अलंकार**		2
	(i) अनुप्रास		
	(ii) यमक		
	(iii) उपमा		
	(iv) रुपक		
क–5.	1. अपठित–बोध		7
	(एक गद्यांश और एक काव्यांश–केवल खड़ी बोली हिन्दी में)		
	(i) बोध के 3 अतिलधूत्तरात्मक प्रश्न और शीर्षक का चुनाव	4	
	(ii) काव्यांश से 3 बोधात्मक प्रश्न	3	
क–6.	**रचना** निबंध–लेखन/भाव–पल्लवन		6
क–7.	पत्र–लेखन : औपचारिक – अनौपचारिक पत्र		4

खंड 'ख'

निर्धारित पाठ्य–पुस्तकें :			**60**
	1. साहित्य मंजरी भाग –1 पाठ्य पुस्तक	50	
	2. **मधु संचय भाग –1** (पूरक पुस्तक)	10	
पाठ्य पुस्तक (साहित्य मंजूषा)			
ख–1	(i) दो काव्यांशों पर आधारित अर्थ–ग्रहण संबंधी दो–दो प्रश्न 2 +2, 2 +2	8	10
	(ii) दोनों काव्यांशों पर एक–एक अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न 1 +1	2	
ख–2	दो में से एक काव्यांश पर सराहना–सबंधी दो प्रश्न 3 +3		6
ख–3	कविता से एक रचनात्मक प्रश्न		5
ख–4	जीवन–मूल्यों से संबंधित 2 प्रश्न	2 +2	4
ख–5	दो गद्यांशों पर आधारित अर्थ–ग्रहण संबंधी दो–दो प्रश्न	4 +4	8
ख–6	संकलित निबंधों पर आधारित विचार–विशलेषणात्मक 3 प्रश्न	2 +3 +3	8
ख–7	तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न(गद्य–पाठों पर आधारित)	2 +2 +2	6
ख–8	कवि अथवा लेखक का जीवन परिचय और किन्हीं दो रचनाओं का उल्लेख	2 +1	3
पूरक पुस्तक (मधु–संचय)			**10**
ख–9	दो में से एक निबंधात्मक प्रश्न		4
ख–10	दो लघूत्तरात्मक प्रश्न	3 +3	6

खंड ग — अंक
(मौखिक–अभिव्यक्ति) — 10

ग–1 सुनना 5

वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना
वार्तालाप ,वाद विवाद, भाषण, कविता पाठ
आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और
अभिव्यक्ति के ढंग को जानना

ग–2 बोलना 5

(i) भाषण, वाद–विवाद
(ii) गति, लय, आरोह अवरोह सहित सस्वर कविता–वाचन
(iii) वार्तालाप और उसकी औपचारिकताएँ
(iv) कार्यक्रम–प्रस्तुति
(v) कथा–कहानी अथवा घटना सुनाना
(vi) परिचय देना, परिचय प्राप्त करना
(vii) भावानुकूल संवाद वाचन

वार्तालाप की दक्षताएं

टिप्पणी : वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगा। निर्धारित 10 अंको में से 5 श्रवण (सुनना) के मूल्यांकन के लिए और 5 वाचन (बोलना) के मूल्यांकन के लिए होंगे

श्रवण (सूनना) का मूल्यांकन

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 200 शब्दों का होना चाहिए। परिक्षार्थी परीक्षक को सुनते–सुनते अलग कागज़ पर दिए हुए श्रवण बोधन के अभ्यासों को हल कर सकेंगें। अभ्यास रिक्त स्थान पूर्ति, बहूविकल्पी अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं। प्रत्येक आधे अंक के लिए 10 परीक्षण प्रश्न होंगे।

वाचन (बोलना) का परीक्षण

1. **चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन :** इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि परीक्षार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।

2. **किसी चित्र का वर्णन :** (चित्र लोगों के या स्थानों के हो सकते हैं)।
3. किसी निर्धारित विषय पर बोलना जिससे वह अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सके।
4. कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना।

टिप्पणी :

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाए।
2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव संसार के हों जैसे : कोई चुटकुला या हास्य – प्रसंग सुनाना, हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे गए सिनेमा की कहानी सुनाना।
4. जब परीक्षार्थी बोलना प्रारंभ कर दे तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

श्रवण (सुनना)	वाचन (बोलना)
1. विद्यार्थी में परिचित संदर्भो में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है, किन्तु सुसंबद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	1. शिक्षार्थी केवल अलग–अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नही बोल सकता।
3. छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संदर्भो में समझने की योग्यता है।	3. परिचित संदर्भो में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्वता से प्रयोग करता है।
5. परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भो में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है। अशुद्धियाँ करता है जिससे प्रेषण में रूकावट आती है।	5. अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है; अभी भी कुछ अशुद्धियाँ करता है। जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।
6. दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्वध्ता से समझता है और निष्कर्ष निकाल सकता है।	6. अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत कर सकता है ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रूकावट नही आती ।
7. जटिल कथनों के विचार–बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करता है, उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।	7. उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, केवल मामूली गलतियाँ करता है।

कक्षा–10

एक प्रश्न पत्र	समय–3 घटें	पूर्णांक–100

विषय – सामग्री **(अंक)**

इस प्रश्नपत्र के 4 खंड होंगे, जिनका विवरण इस प्रकार है :

खंड–क		**व्याकरण**		17
		(हिन्दी और उसका स्वरुप, पद–विचार, वाक्य – विचार)	13	
		अलंकार–परिचय)	4	
खंड–ख		**रचना**		15
	(i)	निबंध–लेखन	8	
	(ii)	पत्र–लेखन	4	
	(iii)	सार–लेखन	3	
खंड–ग		**अपठित बोध**		8
	(i)	गद्यांश – बोध	4	
	(ii)	काव्यांश– बोध	4	
खंड–घ		**पाठ्य पुस्तकें**		60
	(i)	साहित्य मंजरी (भाग–2) (गद्य–भाग)	25	
		(काव्य–भाग)	25	
	(ii)	मघु–संचय (भाग–2) पूरक पाठ्य पुस्तक	10	

उपर्युक्त चारों खंडों का विस्तृत अंक–विभाजन इस प्रकार होगा

खंड–क

क.1		**व्याकरण :**		**17**
	क.(i)	**हिन्दी और उसका स्वरुप**		
		भारतीय भाषा–परिवार और हिन्दी	1	
		हिन्दी की भूमिकाएँ – संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा	1	**4**
		हिन्दी और उसकी बोलियाँ	1	
		प्रयोजनमूलक हिन्दी	1	

(अंक)

क.	(ii)	पद–विचार		5
		शब्द और पद	1	
		पद–भेद (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय)	2	
		पद–परिचय	2	
क.	(iii)	वाक्य–विचार		4
		वाक्य–रचना (वाक्य–भेद–रचना की दृष्टि से, अर्थ की दृष्टि से)	2	
		वाक्य–विश्लेषण, संश्लेषण और रचनान्तरण	2	
क.	(iv)	अलंकार – परिचय : ब्याकरण की पुस्तक में वर्णित आठ अलंकार		4

खंड–ख 15

ख.	1	**निबंध–लेखन** – दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर वर्णनात्मक, विचारात्मक और भावात्मक निबंध (एक)	8
ख.	2	**पत्र–लेखन** – औपचारिक (प्रार्थनापत्र, आवेदन–पत्र, बधाई पत्र, धन्यवाद पत्र, शुभकामना पत्र, शिकायती पत्र आदि) और अनौपचारिक पत्रों में से एक पत्र	4
ख.	3	**सार–लेखन** (लगभग 150 शब्दों के किसी एक अनुच्छेद का एक–तिहाई शब्दों में सार–लेखन)	3

खंड – ग 8

ग. **अपठित बोध (गद्यांश +काव्यांश केवल खड़ी बोली में)**

ग. 1	लगभग 150 शब्दों में दिया गया एक गद्यांश और उस पर आधारित चार प्रश्न		
	शीर्षक का चुनाव	1	4
	तीन बोधात्मक प्रश्न	3	
ग. 2	दिए गए काव्यांश पर आधारित चार बोधात्मक प्रश्न		4

खंड – घ 60

पाठ्य पुस्तकें :

साहित्य मंजरी भाग–2 (गद्य–पद्य–संकलन)

मधु संचय भाग–2 (पूरक पुस्तक)

घ. 1.	**गद्य–खंड :**		**25**
(i)	गद्यांश पर आधारित अर्थग्रहण–संबंधी दो प्रश्न	4 +4	8

			(अंक)
(ii)	निबंधो पर आधारित विचार–विश्लेषणात्मक दो प्रश्न	3+3	6
(iii)	गद्य–पाठों पर आधारित दो लघूत्तरात्मक प्रश्न	3+3	6
(iv)	गद्य–पाठों पर आधारित जीवन–मूल्यों से संबंधित दो लघूत्तरात्मक प्रश्न	3+2	5

घ 2..	**काव्य–खंड :**		2
(i)	दो काव्यांशों पर अर्थ–ग्रहण संबंधी दो–दो प्रश्न	2+2+2+2	8
(ii)	दो काव्यांशों पर सराहना–संबंधी दो –दो प्रश्न (भाव सौंदर्य, शिल्प सौंदर्य)	2+2, 2+2	8
(iii)	जीवन–मूल्यों से संबंधित एक लधूत्तरात्मक प्रश्न		3
(iv)	पठित कविताओं के आधार पर एक रचनात्मक प्रश्न		3
(v)	किसी एक कवि अथवा लेखक का संक्षिप्त परिचय–		3
	(i) जीवन–परिचय (संक्षिप्त)	2	
	(ii) किन्हीं दो रचनाओं का नामोल्लेख	1	

घ. 3.	**पूरक पुस्तक :**		1
	(i) पाठों पर आधारित 3 लघूत्तरात्मक प्रश्न	2+2+2	6
	(ii) पाठों पर आधारित एक निबंधात्मक प्रश्न		4

1. हिन्दी पाठ्यक्रम– बी

(कोड सं0–085)

कक्षा–9

एक प्रश्नपत्र	समय–3 घटें	पूर्णांक–100

इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होगे –खंड 'क' , खंड 'ख' और खंड 'ग' । खंड 'क' 40 अंको का, खंड 'ख' 50 अंको का तथा खंड 'ग' 10 अंको का होगा । खंड 'क' में व्याकरण, अपठित – बोध, पत्र और निबंध – लेखन होंगे । खंड 'ख' में निर्धारित दो पुस्तकें – पाठ्य पुस्तक गद्य – पद्य सकंलन और पूरक पुस्तक तथा खंड 'ग' में मौखिक अभिव्यक्ति होगी।
उपयुक्त तीनों खंडों का अंक – 'विभाजन इस प्रकार होगा :

खंड 'क'

(कुलअंक–40) | **अंक**

(व्याकरण,मुहावरे–लोकोक्तियाँ, अपठित –बोध, पत्र लेखन और निबंध–लेखन)

			अंक
क–1	**वर्ण–विचार :**		**2**
	(i) वर्ण	1	
	(ii) वर्तनी	1	
क–2	**शब्द–विचार**		6
	(i) शब्द–भेद–तत्सम, तद्भव, देशज और आगत तथा एकार्थी, अनेकार्थी, पर्यायवाची और विलोम	4	
	(ii) शब्द–रचना– उपसर्ग और प्रत्यय	2	
क–3	**पद–विचार**		**10**
	(i) शब्द और पद	1	
	(ii) लिंग, वचन और कारक	3	
	(iii) पद–भेद : संज्ञा,सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय	6	
क–4	**मुहावरे और लोकोक्तियाँ**		**2**
क–5	**अपठित–बोध (गद्याशं–4 अंक, पद्याशं–4 अंक)**	4+4	**8**
क–6	**पत्र–लेखन (अनौपचारिक)**		**4**
क–7	**निबंध–लेखन/भाव–पल्लवन** (लगभग 150 शब्दों में)		8

खंड 'ख' **50**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. **संवाद** भाग–1, (पाठ्यपुस्तक)
2. **कथा लोक** भाग–1 (पूरक पुस्तक)

काव्य भाग **20**

ख–1 एक काव्यांश पर आधारित तीन प्रश्न होंगे 5

(vad)

	;पद्ध कवि और कविता का नामोल्लेख		1	
	;पपद्ध अर्थग्रहण.संबंधी दो प्रश्न	2̣2	4	
ख.2	एक काव्यांश पर आधारित सराहना.संबंधी प्रश्न ;भाव.सौंदर्य और शिल्प.सौदंर्यद्ध		2̣2	4
ख.3	कविता का प्रतिपा? . एक प्रश्न			3
ख.4	कविता पर जीवन मूल्यों से संबंधित एक प्रश्न			3
ख.5	कविता पर एक रचनात्मक प्रश्न			3
ख.6	कविता पर एक लघू ारात्मक प्रश्न			2
	ग?.भाग			**20**
ख.7	दो ग?ांशों पर अर्थ.ग्रहण संबंधी दो.दो प्रश्न		2̣2, 2̣2	8
ख.8	दो विचार.विश्लेषणात्मक प्रश्न		3̣3	6
ख.9	एक रचनात्मक प्रश्न			3
ख.10	एक लघू ारात्मक प्रश्न			3
	पूरक.पुस्तक			**10**
ख.11	एक निबंधात्मक प्रश्न			4
ख.12	दो लघू ारात्मक प्रश्न		3̣3	6

खंड ्गळ **10**

;मौखिक.अभिव्यक्तिद्ध

ग.1 सुनना 5

वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना
वार्तालाप, वाद.विवाद, भाषण, कविता पाठ,
आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और
अभिव्यक्ति के ढंग को जानना

ग.2 बोलना 5

;पद्ध भाषण, वाद.विवाद
;पपद्ध गति, लय, आरोह अवरोह सहित सस्वर कविता.वाचन
;पपपद्ध वार्तालाप और उसकी औपचारिकताएॅ
;पअद्ध कार्यद्रम.प्रस्तुति
;अद्ध कथा.कहानी अथवा घटना सुनाना
;अपद्ध परिचय देना, परिचय प्राप्त करना
;अपपद्धभावानुद्यल संवाद वाचन

वार्तालाप की दक्षताएॅ

टिप्पणी द्य वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगाब निर्धारित 10 अंकों में से 5 श्रवण ;सुननाद्ध के मूल्यांकन के लिए और 5 वाचन ;बोलनाद्ध के मूल्यांकन के लिए होंगेब

सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 200 शब्दों का होना चाहिए। परीक्षार्थी परीक्षक को सुनते–सुनते अलग कागज पर दिए हुए श्रवण बोधन के अभ्यासों को हल कर सकेंगें। अभ्यास रिक्त स्थान पूर्ति, बहूविकल्पी अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं। प्रत्येक आधे अंक के लिए 10 परीक्षण प्रश्न होंगे।

वाचन (बोलना) का परीक्षण

1. **चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन** : इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि परीक्षार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
2. **किसी चित्र का वर्णन** : (चित्र लोगों के या स्थानों के हो सकते हैं)।
3. किसी निर्धारित विषय पर बोलना जिससे वह अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सके।
4. कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना।

टिप्पणी :

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाए।
2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव संसार के हो जैसे : कोई चुटकुला या हास्य – प्रसंग सुनाना, हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे गए सिनेमा की कहानी सुनाना।
4. जब परीक्षार्थी बोलना प्रारंभ कर दे तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

	श्रवण (सुनना)	वाचन (बोलना)
1.	विद्यार्थी में परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है, किन्तु सुसंबद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	1. शिक्षार्थी केवल अलग–अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नही बोल सकता।
3.	छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संदर्भो में समझने की योग्यता है।	3. परिचित संदर्भो में केवल छोटे संबद्द्य कथनों का सीमित शुद्वता से प्रयोग करता है।
5.	परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भो में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।	5. अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है; अभी भी कुछ अशुद्धियाँ करता है जिससे प्रेषण में रूकावट आती है।
6.	दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्वध्ता से समझता है और निष्कर्ष निकाल सकता है।	6. अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत कर सकता है ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रूकावट नही आती है।
8.	जटिल कथनों के विचार–बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करता है, उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।	8. उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, केवल मामूली गलतियाँ करता है।

निर्धारित पुस्तकें :

1. संवाद भाग–1
2. कथा लोक भाग–1

एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित

विषय – सामग्री				(अंक)
क		**व्याकरण**		27
ख		**रचना**		15
	(i)	निबंध/अनुच्छेद	10	
	(ii)	पत्र	5	
ग		**अपठित–बोध**		8
	(i)	गद्यांश	4	
	(ii)	काव्यांश	4	
घ		**पाठ्य पुस्तकें**		50
	(i)	**संवाद** भाग–2 (पाठ्य पुस्तक)	35	
	(ii)	**कथा लोक** भाग–2 (पूरक पाठ्य पुस्तक)	15	

उपर्युक्त चारों खंडों का विस्तृत अंक–विभाजन इस प्रकार होगा –

खंड–क

क.	**व्याकरण :**		**27**
	क.1. संधि : स्वर संधि (दीर्घ,गुण, वृद्धि और यण्), व्यंजन संधि		4
	संधि–विच्छेद–	2	
	संधि करना–	2	
	क.2. समास : अव्ययीभाव, तत्पुरूष, कर्मधारय, द्विगु, बहुव्रीहि,द्वंद्व		4
	क.3. पद विचार :		9
	(i) पद और भेद	2	
	(ii) पद – परिचय	2	
	(iii) लिंग, वचन और कारक	3	
	(iv) वाच्य	2	

क–4 वाक्य विचार **10**

(i)	वाक्य–भेद : रचना और अर्थ के आधार पर	4
(ii)	वाक्य संश्लेषण और रचनांतरण	2
(iii)	वाक्य–अशुद्धिशोधन	2
(iv)	विराम चिह्नों का प्रयोग	2

खंड 'ख' **15**

रचना : **10**

ख–1 **निबंध–लेखन, भाव पल्लवन**

संकेत–बिंदुओं के आधार पर वर्णनात्मक और विचारात्मक निबंध

अथवा दिए हुए विचार/सूक्ति के भाव का विस्तार (एक)

ख–2 पत्र–लेखन: **5**

अनौपचारिक पत्र – निमंत्रण पत्र, पारिवारिक पत्र, वैयक्तिक पत्र

अथवा

औपचारिक पत्र – (कार्यालयों और व्यापारिक संस्थानों को लिखे जाने वाले पत्र)

(पूछताछ – संबंधी, शिकायती, आवेदन पत्र, सूचना और तत्संबंधी जानकारी)

खंड–ग **8**

अपठित – बोध (गद्यांश + काव्यांश)

ग–1 लगभग 150 शब्दों में दिया गया एक गद्यांश और उस पर आधारित चार प्रश्न

(शीर्षक का चुनाव	1	
तीन बोधात्मक प्रश्न)	3	4

ग–2 दिए गए काव्यांश पर आधारित चार बोधात्मक प्रश्न 4

खंड–घ **50**

संवाद भाग–2

घ–1 गद्य–पद्य–संकलन :

गद्य–खंड 20

				(अंक)
	(i) गद्य–खंड से एक गद्यांश पर अर्थग्रहण के दो प्रश्न और एक अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	2+2+1	5	
	(ii) गद्य–पाठों से दो बोधात्मक प्रश्न		6	
	(iii) गद्य पाठों से एक रचनात्मक प्रश्न		5	
	(iv) गद्य–भाग से दो लघूत्तरात्मक प्रश्न	2+2	4	
घ–2	**पद्य–खंड**			**15**
	(i) एक काव्यांश पर आधारित तीन प्रश्न : कवि और कविता का नामोल्लेख अर्थगहण संबंधी दो प्रश्न	2+2+1	5	
	(ii) कविता के प्रतिपाद्य से संबंधित एक प्रश्न		4	
	(iii) कविता के सौंदर्य–बोध से संबंधित 1 प्रश्न		3	
	(iv) पद्य–भाग से एक रचनात्मक प्रश्न		3	
घ–3	**कथा–लोक भाग–2**			**15**
	(i) पाठों पर आधारित तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न	2+2+2		6
	(ii) पाठों पर आधारित दो निबंधात्मक प्रश्न	5+4		9